वर्षों की बढ़ाई गई अवधि के अन्दर वे अपनी गाड़ी का पूर्णरूप से देशीकरण करेंगे और तीन वर्षों की बढ़ाई गई अवधि के पश्चात् पेटेन्ट की हुई प्रक्रिया और जानकारी का इस्तेमाल करने के लिए पूरा और अबोध अधिकार प्राप्त करेंगे ।

वैध कारण से इस वृद्धि की स्वीकृति देने पर जारी रहने वाले सहयोग के रूप में इस स्थिति में विशेषरूप से उल्लेख किया गया था । एक एकक के नाम का भूल से उल्लेख न करना, जिसका कि खेद है, इस प्रकार सहयोग की अवधि बढ़ाने के बारे में निर्णय, अथवा विदेशी सहयोग के बिना एककों ने उत्पादन प्रारम्भ कर दिया है के बारे में वक्तव्य से इसका कोई संबंध नहीं है ।

12.20 hrs.

RE. STATEMENTS LAID ON THE TABLE

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर) : अध्यक्ष जी, कल यहां स्टेट्स का कोटा कम करने का मामला उठाया गया था । आप ने कहा था कि मंत्री महोदय बयान देंगे । मंत्री महोदय ने कोई बयान नहीं पढ़ा है, जब कि आर्डर पेपर के हिसाब से ले करने का सवाल नहीं है, वह स्टेटमेन्ट देंगे ।

SHRI INDRAJIT GUPTA (Alipore): All these items 18 to 22 were just laid on the Table of the House. They should actually be read in the House.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE: And Members should be allowed to seek clarification.

MR. SPEAKER: Copies were available in the Notice Office.

SHRI INDRAJIT GUPTA: I came through the Notice Office and they told me that one statement was available; the others were not there.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, सारी स्टेट्स में संकट पैदा हो गया है। आखिर गेहूं का कोटा क्यों कम किया गया है ? मुझे पता नहीं मंत्री महोदय ने अपने बयान में क्या कहा है । मंत्री महोदय यहां पर बैठे हुए हैं, हम उनसे जानना चाहेंगे । (व्यवधान)

SHRI INDRAJIT GUPTA: Items 21 and 22, both of which concern the very serious food crisis, were laid; they should be read out here.

अध्यक्ष महोदय : मुझे कोई एतराज नहीं है वह पढ़ दें ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, मैंने पढ़ लिया है, मंत्री महोदय सदन को गुमराह कर रहे हैं । उत्तर प्रदेश का कोटा आधा कर दिया है । यह सदन को गलत जानकारी दे रहे हैं । मैं जानना चाहूंगा कि हर स्टेट का कोटा कितना कम किया गया है । (व्यवधान)

MR. SPEAKER: After the statements, rules do not permit questions being asked. If there is a specific question that you want to raise, sometimes in the day he can make a statement in reply.

SHRI K. S. CHAVDA (Patan): Rules do not permit the statements being laid on the Table of the House.

SHRI S. M. BANERJEE (Kanpur): I wrote to you in the morning, when I saw the Order Paper. I wanted to raise a point of order on two items—No. 18, dealing with dearness allowance to the Central Government employees and No. 21 about the supply of wheat to U.P. I know that 216 points will be reached next month. The dearness allowance will have to be increased and you must allow us to have a discussion. I know that they have given only Rs. 7, 8 or 10......*(Interruptions)*

SHRI INDRAJIT GUPTA: Mr. Banerjee had written to you already today and you said you would allow. You said it.

MR. SPEAKER: I am going to allow.

SHRI SAMAR GUHA (Contai): The hon. Minister has laid a statement. My adjournment motion was precisely on this point.

MR. SPEAKER: I did not allow any adjournment motion.

SHRI SAMAR GUHA: In my adjournment motion I said that there was shortage of stocks in all the ration shops in the country...... (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : शोर करने से मसले हल करने हैं तो खुशी से कीजिये लेकिन यह पार्लमेन्ट है यहां पर बातें करने से मसले हल किये जाते हैं ।

श्री एस० एम० बनर्जी : हम कभी शोर नहीं करते, हमने आपको लिखकर दिया है ।

श्री हुकम चन्द कछवाय (मुरेना) : सभा पटल पर रखने वाले वक्तव्य दूसरे होते हैं जिनमें साफ साफ लिखा होता है कि सभा पटल पर रखे जायेंगे । यह वक्तव्य तो मंत्री जी को पढ़कर देना चाहिए ।

SHRI SAMAR GUHA: My adjournment motion refers to all the States. But his statements relate only to U.P. and Kerala. There is shortage of foodgrains all over the country including West Bengal, Maharashtra and other States. What steps is Government going to take to supply foodgrains to all the States?

MR. SPEAKER: How can he give information about all the States at such short notice? He can read both the statements and we will pass on.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : पढ़ने से क्या होगा ? अगर सवाल पूछने की इजाजत दें तो पढ़ने का कुछ मतलब है ।

अध्यक्ष महोदय : मुझे कोई एतराज़ नहीं है लेकिन जो चीज़ रूल्स में बिल्कुल नहीं हो सकती है उसके लिए मैं रूल्स को कैसे तोड़ दूं ? बारबार आप इस चीज़ को क्यों कहते हैं, कोई नया मेम्बर आये तो उसको समझा सकता हूं लेकिन आप तो पुराने हैं ।

श्री शिवनाथ सिंह (झूंझनू) : आज आखिरी दिन है अध्यक्ष महोदय, आप थोड़ा सा रूल्स को तोड़ कर भी दो चार सवाल पूछ लेने दें ।

अध्यक्ष महोदय : आखिरी दिन क्या सब कुछ तोड़ देना है--यह बिल्कुल गलत बात है । आखिरी वक्त तक जब तक सांस आती है तब तक दिमाग चलता है । यह मेरे अख्तियार में नहीं है, इसलिए मैं कैसे इजाजत दे सकता हूं ?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : तो फिर पढ़ने के लिए भी मत कहिये, हम ने पढ़ लिया है ।

अध्यक्ष महोदय : तो फिर छोड़िये, इसको पढ़ना भी नहीं है ।

श्री मधु लिमये ।

12.27 hrs.

RE. QUESTION OF PRIVILEGE

श्री मधु लिमये (बांका) : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के सामने एक महत्वपूर्ण विषय उठाना चाहता हूं । अखबारों में मैंने एक बयान पढ़ा कि जे० के० आर्गेनाईज़ेशन नाम की संस्था ने, मैंने बैंक आफ बड़ौदा के फ्राड के सम्बन्ध में यहां जो वक्तव्य दिया है उसका प्रतिवाद किया है और उन्होंने कहा है कि मधु लिमये ने जे० के० आर्गेनाईजेशन के सम्बन्ध में गलतबयानी की है । मैं लोक सभा वाद-विवाद की